

शिक्षा में डिजिटल डिवाइड: ग्रामीण भारत की चुनौतियां

डॉ. प्रियंका पाण्डेय

अतिथि विद्वान् - समाजशास्त्र विभाग

शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय रीवा मध्य प्रदेश

सारांश

डिजिटल डिवाइड शिक्षा के क्षेत्र में एक प्रमुख समस्या है, विशेष रूप से ग्रामीण भारत में, जहां तकनीकी संसाधनों की कमी छात्रों की शिक्षा को प्रभावित करती है। यह शोध पत्र ग्रामीण भारत में डिजिटल डिवाइड की चुनौतियों पर केंद्रित है, जिसमें इंटरनेट पहुंच, उपकरणों की उपलब्धता, शिक्षकों की प्रशिक्षण की कमी और लिंग-आधारित असमानताओं को शामिल किया गया है। कोविड-19 महामारी ने इस विभाजन को और गहरा किया है, जहां ग्रामीण क्षेत्रों में केवल 15% घरों में इंटरनेट पहुंच है, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह 42% है। इस पत्र में साहित्य समीक्षा, अनुसंधान पद्धति और डेटा विश्लेषण के माध्यम से समस्या की गहराई को समझाया गया है। मुख्य निष्कर्षों में शामिल हैं: ग्रामीण छात्रों की कम डिजिटल साक्षरता, बुनियादी ढांचे की कमी और सामाजिक-सांस्कृतिक बाधाएं, विशेष रूप से लड़कियों के लिए। समाधान के रूप में सरकारी पहल जैसे डिजिटल इंडिया, शिक्षक प्रशिक्षण और सामुदायिक केंद्रों की सिफारिश की गई है। यह पत्र 9000 शब्दों में समस्या का विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत करता है, जो नीति-निर्माताओं और शिक्षाविदों के लिए उपयोगी है।

कीवर्ड्स: डिजिटल डिवाइड, ग्रामीण शिक्षा, इंटरनेट पहुंच, डिजिटल साक्षरता, लिंग असमानता, कोविड-19 प्रभाव, बुनियादी ढांचा चुनौतियां, शिक्षक प्रशिक्षण, शैक्षिक असमानता, समाधान रणनीतियां।



